|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ज्योतिष ब्लॉग ||

|| विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त कुंडली परामर्श ||

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Shri Pradip Vinodbhai Patel	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	22 / 12 / 1989	TIME OF BIRTH :	01:05:00 AM
CITY :	Vadodara	STATE :	Gujarat
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Wealth, Finance, Prosperity & Money Making Horoscope Report
QUESTION(S) :	Wealth, Finance, Prosperity & Money Making Horoscope Report		
ORDER ID : #1033	PAYMENT ID : 197790735	AMOUNT : ₹600	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कन्या
राशि :	कन्या
ईष्ट देव :	हनुमानजी एवं देवी

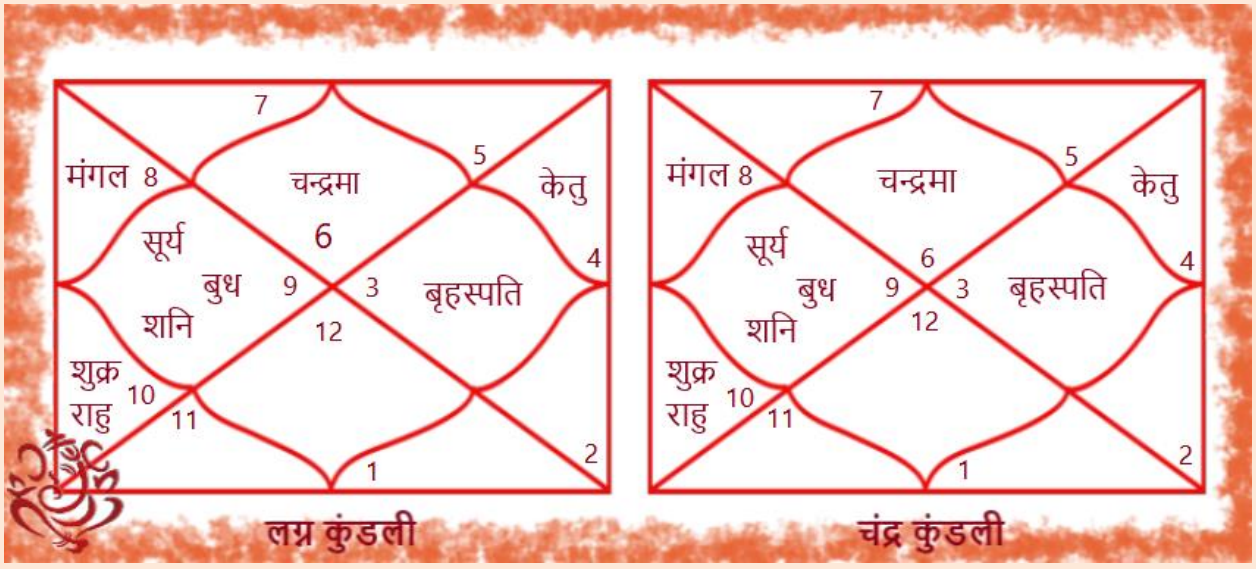

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली का साधारण फलादेश :

प्रदीप विनोदभाई पटेल जी, आपकी जन्म कुंडली अनुसार साधारण फलादेश आंशिक रूप में इस प्रकार है :-

प्रदीप जी आपका भाग्य पक्ष कमजोर है | जिस कारण आपको धन संपत्ति को जुटा पाने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा | पैतृक संपत्ति भी आपको बड़ी ही कठिनाइयों से प्राप्त होगी | पिता से आपकी नहीं बनती है, विचारों में भिन्नता है | बड़ा भाई यदि है तो उनसे भी आपकी नहीं बनती है एवं न ही सपोर्ट ही मिलता है | माता से आपको पूर्ण सपोर्ट मिलता है | आपका मन जल के बहाव की तरह है | आप स्वभाव से चंचल हैं | किसी कार्य में अधिक दबाव पड़ने पर आप उस कार्य को छोड़कर दूसरे कार्य में लग जाते हैं | आपके भीतर दूसरों को समझाने / कन्वेन्स करने की अद्भुद क्षमता विद्यमान है | किसी भी प्रकार की स्थिति - परिस्थितियों को संभालने में आप सक्षम हैं | सच झूंठ का सहारा लेकर आप स्थिति को किसी न किसी प्रकार संभाल ही लेते हैं |

धन, आय, संपत्ति एवं समृद्धि सम्बंधित फलादेश :

आपकी आय के दो स्रोत रहेंगे | नौकरी के साथ साथ आप व्यापार भी करें इसकी पूर्ण सम्भावना है | काला धन कमाने में आपका दिमाग अधिक कार्य करता है | दो नंबर के धंधे आपको अधिक आकर्षित करते हैं | आपके लिए व्यापार की अपेक्षा नौकरी करना ज्यादा लाभकारी व हितकारी सिद्ध रहेगा |

अथक प्रयास करने के उपरान्त फरवरी 2019 तक आपको अपनी योग्यता अनुसार सम्बंधित क्षेत्र में नौकरी मिल जाएगी | शनि से सम्बंधित कार्य क्षेत्र में आपको नौकरी मिलेगी जैसे- लोहा, तेल, ट्रेडिंग, कंसल्टेशन | प्रारम्भ में आपकी नौकरी में स्थिरता नहीं रहेगी, कभी आप नौकरी छोड़ेंगे कभी करेंगे | नौकरी में अदला - बदली, उठा - पटक चलती रहेगी | नौकरी में आप उच्च पद प्राप्त करेंगे | 18 जुलाई 2029 से शनि की महादशा प्रारम्भ होने के साथ ही आपका भाग्य वास्तविक रूप में उदय होगा | 18 जुलाई 2029 के पश्चात ही नौकरी में पूर्ण स्थिरता प्राप्त होगी | 18 जुलाई 2029 से 18 जुलाई 2048 तक का समय आपके करियर हेतु अत्यंत उत्तम सिद्ध रहेगा | यह समय काल आपके जीवन व करियर की दृष्टि में सर्वोत्तम रहेगा | इस काल में आप जीवन के समस्त क्षेत्र में सफलता को प्राप्त करोगे |

आप यदि व्यापार करें तो अकेले कदापि भी न करें | अपनी आयु से अधिक व्यक्ति (पिता, बड़ा भाई) के साथ व उनके नीचे रहकर ही करें | व्यापार का नेतृत्व आप स्वमं कदापि भी न करें | चूँकि आपके द्वारा लिए निर्णय व्यापार को गर्त में ले जायेंगे, जिससे आपको अत्यंत धन व मान की हानि उठानी पड़ेगी | व्यापार का मालिकाना अधिकार अपने से बड़ी आयु वाले व्यक्ति को दें व आप एक मैनेजर के रूप में कार्य करें | जीवन पर्यन्त ऐसा करने पर आप व्यापार में सफल होंगे व आपको हानि नहीं होगी |

संभवतः वर्तमान समय में आप व्यापार की योजना बना भी रहे हों | जुलाई 2018 से जुलाई 2020 के बीच आप अपना व्यापार प्रारम्भ कर लेंगे |

आप चन्द्रमा ग्रह से सम्बंधित व्यापार कर सकते हैं जैसे - किसी भी सफ़ेद वस्तु से सम्बंधित कार्य, दूध, दही, चावल, चाँदी आदि |

आप शनि ग्रह से सम्बंधित अथवा क्षेत्र में व्यापार एवं नौकरी कर सकते हैं जैसे - तेल, लोहा, कंसल्टेशन, ट्रेडिंग (लोहा, दूध, दही, चाँदी, तेल, चावल आदि)

नोट :- आपको जीवन में यदि नौकरी में उच्च स्थान, व्यापार में सफलता व लाभ, पैतृक संपत्ति, धन - संपत्ति का अर्जन व संचय, पारिवारिक सुख, दाम्पत्य सुख आदि प्राप्त करना है तब इनकी प्राप्ति के लिए आपको अपना भाग्य पक्ष मजबूत करना ही होगा | जिसके लिए सूर्य देव को प्रसन्न कर उन्हें बलिष्ठ बनाना अत्यंत ही आवश्यक है |

आपके जीवन में धन, आय, संपत्ति एवं समृद्धि से सम्बंधित समस्त समस्याओं के निवारण हेतु निम्नवत, "महा अचूक उपाय" दिए जा रहे हैं | लगातार एक वर्ष तक निश्छल एवं प्रसन्न मन से, पूर्ण श्रद्धा भाव से बिना किसी कामना लोभ एवं लालच के, निरंतर निष्काम भाव से करने से शीघ्र ही आपकी किस्मत बदलनी प्रारम्भ हो जाएगी | निश्चित ही एक वर्ष के भीतर आपको सफलता प्राप्त हो जाएगी | यदि इन महा अचूक उपायों को नहीं किया तो सम्पूर्ण जीवन संघर्ष करते हुए ही बिताना होगा |

** जून 2020 से आपको अच्छे ऑफर्स / प्रोपोज़ल्स मिलने प्रारम्भ हो जायेंगे |

महा अचूक उपाय :-

♦ आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ संस्कृत भाषा में निरंतर एक वर्ष तक करें | इसके लिए प्रातः सूर्योदय से पूर्व बिस्तर छोड़ दें | नित्यकर्म, स्नान आदि से निवृत होकर, ताम्बे के लोटे में जल लें व उसमें गुड़ अथवा हल्दी अथवा दोनों ही डाल दें | एक बड़ा खाली स्टील अथवा कांच का कटोरा भी साथ ले लें | जल के लोटे को अपने सामने रखकर, सूर्य से सामने लाल रंग के आसान पर बैठ जाएं व आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ संस्कृत भाषा में पढ़ें | पाठ समाप्त होने पर सूर्य को जल अर्पण करें (अर्घ दें), जल धारा से सूर्य को देखते रहे | जल जमीन पर न गिरे इसके लिए खाली बर्तन के भीतर ही जल को डालें व तत्पश्चात बर्तन के जल को किसी घर के भीतर अथवा निकट स्थित पेड़ की जड़ में डाल दें | सूर्य को दिया जल आपके पैरों से नहीं छूना चाहिए |

♦ जब प्रातः आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें तब सूर्य को जल अर्पण करने के पश्चात, उसी लोटे में नया जल भरें, उसमें हल्दी डालें, दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपने पितरों को याद करते हुए जल अर्पण करें | यह जल भी किसी खाली बर्तन में अथवा सूर्य को दिए अर्घ वाले बर्तन में ही गिरे, आपके पैरों से स्पर्श न करे, इसका ध्यान रखें |

♦ प्रातः बिस्तर छोड़ने से पूर्व इन पांच सरल कर्म जिनके नित्य पालन से सौभाग्य, निरोगी काया, क्रोध पर विजय, सुख शान्ति, उच्च चरित्र, धन लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं को अवश्य की क्रियान्वित करें |

आप निम्न लिंक पर जाकर पांच नित्य कर्मो के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक पढ़ व समझ सकते हैं |

https://jyotishshastra.com/jyotish/vedic-parashar/panchakarma-jinse-swasthya-saubhagya-shanti-prem-prapt-hoga-in-hindi-five-daily-works-to-achieve-good-health-peace-respect-wellness-astrology

♦ यदि उक्त पांच सरल कर्मों को न करना चाहें तब, जब प्रातः बिस्तर छोड़ें तब अपना दाहिना पैर धरती माता पर रखें फिर बाहिना पैर धरती माता पर रख खड़े हो जाएँ | नित्यकर्म, स्नान आदि से निवृत होकर घर में बने मंदिर अथवा पूजा स्थल पर जाएँ देवी देवता एवं कुलदेवता को नमन करते हुए आशीर्वाद मांगे | दक्षिण दिशा की ओर मुख कर पितरों को याद करते हुए उनसे क्षमा मांगे व आशीर्वाद देने का आग्रह करें |

♦ रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ समाप्त होने के पश्चात गायत्री मंत्र "ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात्।" से एक हल्दी / तुलसी माला (108 गाँठ युक्त) हवन करें |

♦ मांस, मदिरा एवं पराई स्त्री से बहुत दूर रहे |

♦ देर रात तक न जागें एवं प्रातः सूर्योदय से पूर्व उठें |

♦ नियमित रूप से प्रतिदिन गाय को गुड़ खिलाएं |

♦ स्वमं भी नियमित रूप से भुने चने व गुड़ का सेवन करें | डायबिटीज़ के मरीज गुड़ के अधिक सेवन से बचें |

♦ मंगलवार के दिन बंदरों को भुने हुए चने खिलाएं |

♦ मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ बोल बोल कर करें |

♦ मंगलवार के दिन पान के पत्ते पर केसर से "राम" लिखकर उसमें दो लौंग लगाकर हनुमान जो को अर्पित करें |

♦ माह के किसी भी शुक्रवार को आठ वर्ष से कम आयु की कन्या को प्रेम पूर्वक भोजन कराएं व यदि चाहे तो भोजन उपरान्त उसे उपहार स्वरुप कुछ दें |

♦ शुक्ल पक्ष के सोमवार को माता के हाथ से चांदी की चेन में ठोस चांदी की गोली धारण करें | यदि माता ही चेन व ठोस गोली स्वमं बनवा कर दें तो और भी उत्तम रहेगा |

♦ केसर को कुछ बूँद दूध में घोलकर उसका टीका नियमित रूप से मस्तक पर लगाएं | इसके लिए अनामिका ऊँगली में केसर लगाएं, सर्वप्रथम माथे पर लम्बा तिलत करें, फिर कंठ / गले के टेंटुए पर लगाएं व अंत में जिव्हा / जीभ पर लगाएं |

♦ बड़े भाई यदि हैं, तो उनकी पत्नी का आदर माता तुल्य करें | हो सके तो उन्हें मिठाई लाकर दिया करें |

♦ घर में कोई बुजुर्ग आएंअथवा बाहर कोई बुजुर्ग / वृद्ध व्यक्ति मिलें तो उनके चरण स्पर्श क्रॉस हैंड से करें | अर्थात आपका दाहिना हाथ उनके दाहिने पैर को छुए व आपका बायां हाथ उनके बाएं पैर को स्पर्श करे |

♦ यदि आपके कोई गुरु हैं तो उनसे अथवा मदिर के पुजारी से कोई वस्तु दक्षिणा में लें, दक्षिणा में न मिले तो मांग कर लें (सिक्का आदि कुछ भी) इसे माथे से स्पर्श कराकर घर लाएं व मंदिर में रख दें व नियमित रूप से इसकी पूजा धूप दीप दिखाकर करें |

♦ बुआ, मामा एवं मामी से अच्छे सम्बन्ध बनाकर रखें व समय समय पर उनको उपहार दें |

♦ बुआ न होने पर हिजड़ों को वर्ष में एक बार हरे रंग की साडी देते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें |

♦ निम्न एक मंत्र दिया जा रहा है इसे नियमित रूप से मन ही मन जपते रहे | काम करते रहे व मन ही मन यह मंत्र एक रिकॉर्ड की भाँति चलता रहना चाहिए | इसे अपनी आदत बना लें |

मंत्र इस प्रकार है -

"ऐं ह्रीं क्लीं नमः चण्डिकाय" ||

अथवा

“ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी |

दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते” ||

♦ मध्यमा अंगुली में बिना कटा लोहे का छल्ला धारण करें |

♦ अपने प्रत्येक जन्म दिवस पर रुद्राभिषेक कराएं |

रत्न परामर्श :-

आपको पन्ना, हीरा एवं नीलम रत्न धारण करने की अनुशंसा की जाती है |

रत्न धारण ऐच्छिक है | यदि समर्थ हैं, तो धारण कर लें, अन्यथा रहने दें |

पन्ना रत्न धारण विधि :

पन्ना अथवा एमराल्ड बुध ग्रह का रत्न है | पन्ना रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का पन्ना धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल पन्ना स्वर्ण अथवा चाँदी की अंगूठी में जड़वाएं | किसी भी शुक्ल पक्ष के बुधवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल,

शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती बुध देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बुध देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु आपका प्रतिनिधि रत्न पन्ना धारण कर रहा हूँ कृपया करके

मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर 108 बारी अगरबत्ती के ऊपर से घुमाते हुए "ऊँ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करे तत्पश्चात अंगूठी को विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर कनिष्ठ अंगुली में धारण करें | पन्ना धारण करने के 30 दिनों में प्रभाव देना आरम्भ कर देता है | निरंतर लाभ प्राप्ति हेतु, प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल के पश्चात इसका उक्त विधि द्वारा शुद्धिकरण एवं प्राण प्राण प्रतिष्ठा करते रहे |

हीरा रत्न धारण विधि :-

हीरा शुक्र गृह का प्रतिनिधि रत्न है | हीरे को चाँदी अथवा प्लैटिनम की अंगूठी में जड़वाकर शुक्रवार के दिन, सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती शुक्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करे कि हे शुक्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, हीरा धारण कर रहा हूँ, कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकाल कर "ॐ शं शुक्राय नम:" मंत्र के 108 जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उप्पर से 108 बार घुमाए व अंगूठी को लक्ष्मीजी के चरणों से लगाकर अनामिका ऊँगली में धारण करें | हीरा अपना प्रभाव 25 दिन में देना आरम्भ कर देता है |

नीलम रत्न धारण विधि :-

नीलम अथवा ब्लू सफायर रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम स्वर्ण या पांच धातु की अंगूठी में जड़वाएं | किसी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनि वार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा

करे | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखे, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नमः" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण करे |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

नोट :- आस्था और श्रद्धा से कुछ और बड़ा नही है | लाभ, पूर्ण रूप से प्राप्त करने हेतु पूजन एवं उपाय पूर्ण श्रद्धा व भक्ति भाव से करें | बोझिल मन से कतई न करें |

उपाय कठिन नहीं हैं | इन्हे केवल आपको अपनी दिनचर्या में सम्मलित करना है | लाभ प्राप्ति हेतु ऐसा करना कोई बड़ी बात नहीं है | यह पुण्य कर्म हैं जिनका लाभ अवश्य ही प्राप्त होता है |

नोट :- अपने प्रत्येक जन्मदिवस से लगभग 7-10 दिन पूर्व हमें ईमेल (care@jyotishshastra.com) पर सूचित कर अपने करियर व जीवन के उच्च आयाम प्राप्ति हेतु वर्षभर के स्पेशल उपाय अवश्य ही प्राप्त करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

— — — — — — — — — — — —

SANDEEP KUMAR SINGH

Digitally signed by SANDEEP KUMAR SINGH
Date: 2018.07.04 09:38:43 +05'30'